नूतन विद्या प्रसारक मंडळ,
कला , वाणिज्य व विज्ञान महाविद्यालय लासलगाव

शैक्षिक यात्रा रिपोर्ट

हिंदी विभाग

यात्रा विवरण

समय अवधि : तीन दिन (४,५,६ मार्च २०२५)

यात्रा स्थल : गेट वे ऑफ इंडिया, वीरमाता जिजाबाई भोसले उद्यान - प्राणी संग्रहालय, महाराष्ट्र विधान भवन व मंत्रालय, मरीन ड्राईव्ह, स्टॅच्यू ऑफ यूनिटी, सिद्धिविनायक मंदीर, दादर चौपटी, स्वातंत्रवीर सावरकर राष्ट्रीय स्मारक, चैत्यभूमी डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर स्मारक, संयुक्त महाराष्ट्र चळवळ स्मारक, हिंदु हृदय सम्राट श्री बाळासाहेब ठाकरे स्मृति स्थळ, शिवाजी पार्क, शिवसेना भवन इ.

सहभागिता संख्या : १४ (छात्र) ०२ (अध्यापक) - कुल १६

लासलगांव रेल्वे स्टेशन से शै. यात्रा को निकलते हुए छात्रों का समूह ।भारत सरकार **अमृत भारत स्टेशन** योजना के अंतर्गत इसका पुनर्विकास हो रहा हैं

छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस :

छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, पूर्व में जिसे **विक्टोरिया टर्मिनस** कहा जाता था, एवं अपने लघु नाम **वी.टी.**या **सी.एस.टी.** से अधिक प्रचलित है। यह भारत की वाणिज्यिक राजधानी मुंबई का एक ऐतिहासिक रेलवे-स्टेशन है, जो मध्य रेलवे का मुख्यालय भी है। यह भारत के व्यस्ततम स्टेशनों में से एक है, जहाँ मध्य रेलवे की मुंबई में और मुंबई उपनगरीय रेलवे की मुंबई में समाप्त होने वाली रेलगाड़ियाँ रुकती व यात्रा पूर्ण करती हैं। आँकड़ों के अनुसार यह स्टेशन ताजमहल के बाद भारत का सर्वाधिक छायाचित्रित स्मारक है । जिसे 2004 में यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर स्थल के रूप में मान्यता दी गई है।

माहिती संकलन : बोचरे रुतुजा साहेबराव

गेटवे ऑफ़ इंडिया मुंबई शहर के दक्षिण में समुद्र तट पर स्थित एक स्मारक है। स्मारक को दिसंबर 1911 में अपोलो बंदरगाह, मुंबई (तब बॉम्बे) में ब्रिटिश सम्राट राजा-सम्राट जोर्ज पंचम और महारानी मैरी के प्रथम आगमन की याद में बनाया गया था। इस स्मारक की आधारशिला मार्च 1913 में रखी गई थी। वास्तुकार जोर्ज विटेट द्वारा स्मारक का अंतिम डिजाइन 1914 में स्वीकृत किया गया था, और इसका निर्माण 1924 में पूरा हुआ था। 26 मीटर (85 फीट) ऊँची इस संरचना का निर्माण बेसोल्ट से किया गया है और यह एक विजय की प्रतीक है। इस प्रवेशद्वार के पास ही पर्यटकों के समुद्र भ्रमण हेतु नौका-सेवा भी उपलब्ध है।

माहिती संकलन : बर्डे गायत्री चंद्रकांत

ताज महल पैलेस होटल पांच सितारा होटल है जो कि गेट वे ऑफ़ इंडिया के पास है। 'ताज होटल, रिसॉर्ट्स एंड पैलेस' का एक हिस्सा, यह इमारत टाटा समूह की प्रमुख संपत्ति मानी जाती है, जिसमे 560 कमरे एवं 44 साईट्स हैं। ताज महल होटल 116 साल पुरानी इमारत है। ताजमहल होटल की मुख्य इमारत का निर्माण इंडो-सर्केनिक शैली में टाटा द्वारा करवाया गया था तथा इसे पहली बार 16 दिसम्बर 1903 को खोला गया था। मुंबई की पहचान बन चुकी इस इमारत में महानगर के अमीर और संभ्रांत लोग आते-जाते रहते हैं। विदेशी पर्यटकों में भी ताज महल होटल काफ़ी लोकप्रिय है। ताज महल होटल से समुद्र का दृश्य दिखाई देता है। 26 नवंबर 2008 में हुए आतंकी हमले के समय यह होटल लगभग 60 घंटों तक आतंकवादियों ने अपने कब्ज़े में कर रखा था।

माहिती संकलन : पाटील मोनाली कैलास

वीरमाता जीजाबाई भोसले उद्यान और रानीची बाग मुंबई का सबसे पुराना और बड़ा उद्यान है। इसका मूल नाम क्वीन विक्टोरिया गार्डन था। यह उद्यान बायकुला में स्थित है और 53 एकड़ क्षेत्र में फैला हुआ है। इस उद्यान में देश में सबसे अधिक वनस्पति विविधता है। इस उद्यान का उद्घाटन 19 नवंबर 1862 को लेडी कैथरीन फ़्रेयर द्वारा किया गया था और इसे तुरंत जनता के लिए खोल दिया गया था। क्वीन्स गार्डन सौ साल से अधिक पुराने पेड़ों, झाड़ियों, लताओं और कई पेड़ों का खजाना है। यह उद्यान 286 प्रजातियों के 3,213 पेड़ों और 853 पौधों की प्रजातियों का घर है। इसके अलावा, पार्क कई स्तनधारियों, पक्षियों और कीड़ों का घर है। मुंबई के किसी अन्य पार्क में इतनी अद्भुत वनस्पति और जीव-जंतु नहीं हैं। यहाँ कई पेड़ सौ वर्ष का आँकड़ा पार कर चुके हैं। कुछ तो इतने दुर्लभ हैं कि वे मुंबई में अन्यत्र बहुत कम पाए जाते हैं। मुंबई के कॉलेजों के वनस्पति विज्ञान के छात्रों के साथ-साथ मुंबई विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर छात्र भी यहाँ अध्ययन और भ्रमण के लिए आते हैं। भारत के सबसे बड़े वनस्पति संग्रहालयों में से एक, मुंबई में ब्लैटर हर्बेरियम ने रानी के बगीचे से पौधों के 465 नमूने संरक्षित किए हैं। पार्क की एक अन्य विशेषता पुरस्कार विजेता कंजर्वेटरी है, जो हरे लकड़ी के स्लैट्स की जाली से बनी है, जिसे लंदन के केव में पाम हाउस की तर्ज पर बनाया गया है। २०१६ में यहा पर पेंग्विन पक्षियों का एक स्वतंत्र पार्क शुरू किया है जो इसकी सुंदरता को दुगना करता हैं।

माहिती संकलन : गुंजाळ वर्षा दिलीप

मंत्रालय दक्षिण मुंबई में महाराष्ट्र सरकार का एक कार्यालय परिसर है। इसमें जो इमारतें हैं इसका निर्माण 1955 में हुआ था। इसका मुख्य भवन पहले सचिवालय के नाम से जाना जाता था। इस सात मंजिला इमारत में महाराष्ट्र सरकार के अधिकांश विभाग स्थित हैं। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के कार्यालय छठी मंजिल पर हैं, जबकि प्रधान सचिव पांचवीं मंजिल पर हैं। बाद में एक और इमारत बनाई गई, जो मुख्य इमारत से जुड़ी हुई थी, और सड़क के पार एक और तेरह मंजिला इमारत बनाई गई थी। मुंबई के मंत्रालय में आम जनता को दोपहर 2 बजे के बाद पहचान पत्र देखकर प्रवेश की इजाजत है।

मरीन ड्राइव मुंबई की एक सड़क है जो नरीमन पॉइंट से शुरू होती है और गिरगांव चौपाटी पर समाप्त होती है। समुद्र के किनारे बनी यह सड़क देखने लायक है। टेट्रापॉड यहाँ के समुद्र में पाए जाने वाले पत्थर हैं।

- यह सड़क C-आकार की है और इसकी लंबाई 3.6 किमी है।
- इस सड़क पर ताड़ के पेड़ हैं।
- इस सड़क को रानी का हार भी कहा जाता है।
- इस सड़क का आधिकारिक नाम नेताजी सुभाष चंद्र बोस रोड है।
- इस सड़क पर समुद्र के सामने आर्ट डेको आवासीय इमारतें हैं।
- यह सड़क अरब सागर का मनोरम दृश्य प्रस्तुत करती है।
- इस सड़क से कोई सुबह की सैर या शाम की सैर के लिए बैठ सकता है और क्षितिज को देख सकता है।
- इस सड़क के उत्तर में गिरगांव चौपाटी है।

माहिती संकलन : जाधव साक्षी रंजीत

एकता नगर रेलवे स्टेशन :

भारत के राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने 15 दिसंबर 2018 को इसकी आधारशिला रखी थी। यह ग्रीन बिल्डिंग सर्टिफिकेट वाला भारत का पहला रेलवे स्टेशन भी है। रेलवे स्टेशन के निर्माण पर 200 मिलियन भारतीय रुपये खर्च होने का अनुमान है। यह रेलवे लाइन केवड़िया को चंदोद, मोरिया, तिलकवाड़ा और गरुड़ेश्वर से जोड़ेगी। चंदोद और दभोई के बीच मौजूदा नैरो गेज रेलवे लाइन को ब्रॉड गेज में बदल दिया गया है। चंदोद और केवड़िया के बीच एक और 32 किमी (20 मील) की दूरी तय की जा रही है। स्टेशन की इमारत में तीन मंजिलें हैं। पहले दो मंजिलों में यात्रियों के लिए सुविधाएँ हैं और तीसरी मंजिल एक आर्ट गैलरी है। इसका उद्घाटन 17 जनवरी 2021 को हुआ था। स्टैच्यू ऑफ यूनिटी को आनेवाले यात्रियों के लिए यह एक सुगम रेलवे स्थानक है।

माहिती संकलन : पवार सौरभ रंगनाथ

माहिती संकलन : घाडगे पूजा बाळासाहेब

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी में आरोग्य वन - शांतिगिरी वेलनेस सेंटर (हर्बल गार्डन) एक ऐसी जगह है जहाँ आप औषधीय और स्वास्थ्य संबंधी पौधे पा सकते हैं। स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के पास स्थित यह आकर्षण मनुष्यों के लिए स्वास्थ्य देखभाल में उपयोग की जाने वाली जड़ी-बूटियों की एक विस्तृत श्रृंखला और विविधता को प्रदर्शित करता है, साथ ही कुछ परिदृश्य भी हैं जो योग और आयुर्वेदिक चिकित्सा जैसे ध्यान अभ्यासों को हमारे स्वास्थ्य के समग्र अंग के रूप में दर्शाते हैं - शारीरिक और मानसिक दोनों रूप से!! आरोग्य वन के प्रवेश द्वार पर मानव आकार के सूर्य नमस्कार के सभी 12 आसन हैं, जो योग के महत्व पर जोर देते हैं, जिसका अभ्यास स्वस्थ जीवन के लिए प्रतिदिन किया जाना चाहिए। आगंतुकों को स्वीकार करने और उन्हें हमारे दैनिक जीवन में औषधीय पौधों की विरासत और महत्व को समझाने के लिए डिजिटल सूचना केंद्र स्थापित किया गया है। आंतरिक परिदृश्य के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए इनडोर पौधों का खंड बनाया गया है। आंतरिक भूनिर्माण एक सुखद और शांत वातावरण प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है जिसमें कोई भी टहल सकता है और आराम कर सकता है। यह एक अर्ध-आवरण वाली बनावटी संरचना है। आरोग्य वन का मुख्य आकर्षण 'औषध मानव' है। यह विश्राम मुद्रा में मानव शरीर का एक विशाल त्रि-आयामी लेआउट है। प्रत्येक मानव अंग को एक औषधीय पौधे द्वारा दर्शाया गया है जो उस विशेष अंग के लिए फायदेमंद है। इसलिए इन पौधों को शरीर के विशिष्ट भाग पर लगाया जाता है ताकि आगंतुकों को उस विशेष अंग के चिकित्सीय उपचार के लिए उपयोग किए जाने वाले विशिष्ट पौधों को समझा जा सके।

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के आरोग्य वन के अंदर पाँच उद्यान हैं - गार्डन ऑफ कलर्स, अरोमा गार्डन, योग गार्डन, अल्बा गार्डन और लेउटिया गार्डन। आरोग्य वन में पारंपरिक उपचार के ज्ञान को उसके वास्तविक रूप में तलाशने के लिए, गुजरात वन विभाग ने केरल के शांतिगिरी आश्रम के साथ हाथ मिलाया है, जो आयुर्वेद, सिद्ध और योग की प्राचीन उपचार प्रणालियों में 60 से अधिक वर्षों का अनुभव रखने वाला एक संगठन है। यह उद्यम भारत और विदेश से आने वाले आगंतुकों को आयुर्वेद, सिद्ध, पंचकर्म, योग, मर्म और प्राकृतिक चिकित्सा पर आधारित समग्र स्वास्थ्य सेवा प्रदान करता है। इसलिए, आरोग्य वन-संथिगिरी वेलनेस सेंटर में नर्मदा घाटी के शांत वातावरण में सच्चे पारंपरिक उपचारों का अनुभव करें।

यह आरोग्य वन-संथिगिरी वेलनेस सेंटर या आरोग्य कुटीर धारा, स्नेहापनम, सिरोवस्ती, पिझिचिल, उद्वार्तनम, मर्मचिटिक्सा, नास्यम, कर्णपूरणम, थारपनम, नजावर्राकिज़ी, हर्बल स्टीम बाथ, रसायन चिकित्सा, स्पाइनल बाथ और चिकित्सीय मालिश जैसे चिकित्सीय उपचार और उपचार प्रदान करता है जो केरल में बहुत लोकप्रिय हैं। इस स्टैच्यू ऑफ़ यूनिटी आरोग्य वन - हर्बल गार्डन के बजाय हर्बल गार्डन से गुजरते समय, विशिष्ट उष्णकटिबंधीय वन परिवेश की पेशकश करने के लिए संगीत बजाया जाता है।

जंगल सफारी एक अत्याधुनिक प्राणि उद्यान है जिसमें दुनिया के विभिन्न जैवभौगोलिक क्षेत्रों के स्वदेशी और विदेशी जानवरों, पक्षियों का एक अनूठा संग्रह है। यह आपको वन्य जीवन को देखने के लिए एक साहसिक यात्रा पर ले जाएगा, जबकि प्राकृतिक सुंदरता का आनंद लेंगे जो केवल सरदार सरोवर बाँध और सबसे ऊँची प्रतिमा "स्टैच्यू ऑफ यूनिटी" के पास के ऊँचे इलाकों में पाई जाती है। यह चिड़ियाघर मनोरंजन के अनुभव को जीवन भर के लिए एक अवसर प्रदान करता है! स्टैच्यू ऑफ यूनिटी में जंगल सफारी 375 एकड़ का पार्क है जिसमें 29 मीटर से लेकर 180 मीटर की ऊँचाई या उन्नयन के सात अलग-अलग स्तर हैं। स्टैच्यू ऑफ यूनिटी जंगल सफारी मार्ग को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि आगंतुक जानवरों की गतिविधियों को देख सकें, सरीसृपों को देख सकें और पक्षियों को उनके प्राकृतिक आवास में देख सकें। आगंतुक भारत की लुप्तप्राय प्रजातियों को भी देख पाएंगे जिनमें एशियाई शेर (रॉयल बंगाल टाइगर), ऑस्ट्रेलिया, अफ्रीका और दक्षिण अमेरिका जैसे महाद्वीपों के जानवरों को रखने के लिए क्लस्टर बनाए गए हैं। इस पार्क की खासियत यह है कि आगंतुक खुले वातावरण में जानवरों को देख सकते हैं और जंगल जंगल सफारी की तरह के दौरे का अनुभव प्रदान करेगा। विंध्य पहाड़ियों का उतार-चढ़ाव वाला इलाका इसे यहाँ के जीवों के लिए एक आदर्श निवास बनाता है। केवड़िया में इस जंगल सफारी का एक और आकर्षण एवियरी के माध्यम से चलना है, जिसमें बेहतरीन देशी पक्षी रहते हैं। यहाँ आगंतुक विभिन्न आवासों के लिए विशिष्ट पक्षियों के बीच चल सकते हैं, जिन्हें प्रत्येक प्रजाति के प्राकृतिक आवास का अनुकरण करते हुए बनाया गया है। पिंजरों की सलाखों से दृश्य बाधित नहीं होगा। इसमें दो एवियरी हैं जिनमें बड़ी संख्या में पक्षी रहते हैं। जियोडेसिक गुंबदों के रूप में निर्मित ये एवियरी भारत में सबसे बड़े जियोडेसिक गुंबदों में से हैं (भारतीय एवियरी 150 मीटर लंबी, 50 मीटर चौड़ी और 15 मीटर ऊँची है और विदेशी एवियरी 125 मीटर लंबी, 35 मीटर चौड़ी और 15 मीटर ऊँची है) स्टैच्यू ऑफ यूनिटी फ्लाई हाई एवियरी के ऊँचे वॉकवे से टहलें और लाल जंगल फाउल, पार्ट्रिज, पेलिकन, आइबिस, तोते और कई अन्य जैसे रंग-बिरंगे पक्षियों को देखने का आनंद लें सकते हैं । जंगल सफ़ारी में विदेशी पक्षियों जैसे मैकॉ, कॉकटू, तीतर, काला हंस, ग्रे तोता, केप क्राउन क्रेन और दक्षिण अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण पूर्व एशिया और अफ्रीका और दुनिया के अन्य हिस्सों से कई रंगों के पक्षियों के साथ एक अनूठा अनुभव। उपहार के रूप में घर वापस ले जाने के लिए स्मृति चिन्ह खरीदने और जंगल सफ़ारी में बिताए गए अद्भुत समय को याद करने के लिए एक सुंदर स्मारिका दुकान। जंगल सफ़ारी बाँध के पास खूबसूरत पहाड़ियों में स्थित है। आप चिड़ियाघर के आसपास की पहाड़ियों की प्राकृतिक सुंदरता का आनंद ले सकते हैं।

माहिती संकलन : बोधाई सानिका राजेंद्र

माहिती संकलन : ढरेकर कल्याणी मारुती

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी भारत के प्रथम उप प्रधान मंत्री तथा प्रथम गृहमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल को समर्पित एक स्मारक है, जो गुजरात में स्थित है। गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी ने 31 अक्टूबर 2013 को सरदार पटेल के जन्मदिवस के मौके पर इस विशालकाय मूर्ति के निर्माण का शिलान्यास किया था। यह स्मारक सरदार सरोवर बांध से 3.2 किमी की दूरी पर साधू बेट नामक स्थान पर है जो कि नर्मदा नदी का एक टापू है।

यह विश्व की सबसे ऊँची मूर्ति है, जिसकी लम्बाई 182 मीटर (597 फीट) है। इसके बाद विश्व की दूसरी सबसे ऊँची मूर्ति चीन में स्प्रिंग टेम्पल बुद्ध है, जिसकी आधार के साथ कुल ऊँचाई 153 मीटर (502 फीट) हैं। निर्माण कार्य का प्रारम्भ 31 अक्टूबर 2013 को प्रारम्भ हुआ। मूर्ति का निर्माण कार्य मध्य अक्टूबर 2018 में समाप्त हो गया। इसका उद्घाटन प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 31 अक्टूबर 2018 को सरदार पटेल के जन्मदिवस के मौके पर किया गया।

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का डिज़ाइन पद्म भूषण पुरस्कार प्राप्तकर्त्ता मूर्तिकार राम वी सुतार द्वारा तैयार किया गया था और इस प्रतिमा का जटिल कांस्य क्लैडिंग कार्य चीनी फाउंड्री, जियांग्शी टॉकाइन कंपनी (Jiangxi Toqine Company- JTQ) द्वारा किया गया।
जनवरी 2020 में इसे (Shanghai Cooperation Organisation- SCO) के आठ अजूबों में शामिल किया गया था।

कुल मिलाकर, प्रतिमा को पाँच क्षेत्रों में विभाजित किया गया है। इसके पिंडली तक पहला क्षेत्र है, जिसमें एक प्रदर्शनी तल, मेजेनाइन और छत सहित तीन स्तर शामिल हैं। इसमें एक स्मारक उद्यान और एक बड़ा संग्रहालय होगा।

क्षेत्र 2 प्रतिमा की जांघों तक 149 मीटर तक फैला हुआ है, जबकि क्षेत्र 3 153 मीटर पर देखने वाली गैलरी तक जाता है।

जोन 4 और जोन 5 आगंतुकों की पहुंच से बाहर होंगे, जोन 4 में रखरखाव क्षेत्र और जोन 5 में सिर और कंधे शामिल होंगे।

दादर चौपाटी : मुंबई के दादर उपनगर में स्थित एक बीच है. यह बांद्रा वर्ली सी लिंक ब्रिज के विशाल दृश्य के लिए जाना जाता है. इस बीच पर जॉगिंग और सूर्यास्त देखने के लिए आया जाता है.

दादर चौपाटी की खास बातें

- दादर चौपाटी पर शाम की सैर करने आते हैं स्थानीय निवासी.
- सुबह-सुबह योग करने के लिए भी लोग यहाँ आते हैं.
- सरकार दादर चौपाटी के जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण के लिए काम कर रही है.

चैत्यभूमि भारतरत्न डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर जी की समाधि स्थली और बौद्ध धर्म के लोगो का आस्था का केंद्र हैं। दादर के समुद्र तट पर चैत्य भूमि स्थित है। दिल्ली में अपने निवास में ६ दिसंबर १९५६ को आंबेडकर का महा परिनिर्वाण हुआ और उनका पार्थिव मुंबई में लाया गया, चैत्यभूमि में ७ दिसंबर १९५६ को आंबेडकर का बौद्ध परम्परा के अनुसार दाह संस्कार किया था। आंबेडकर का दाह संस्कार के पहले उन्हें साक्षी रख उनके 20,00,000 अनुयायिओं ने बौद्ध धम्म की दीक्षा ली और यह दीक्षा उन्हें भदन्त आनन्द कौशल्यायन ने दी थी।

छत्रपति शिवाजी महाराज उद्यान पूर्व शिवाजी पार्क मुंबई के दादर (पश्चिम) क्षेत्र में एक मैदान है। यह मैदान बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी के लिए एक लोकप्रिय स्थल है।
छत्रपति शिवाजी महाराज पार्क इसे 1925 में मुंबई नगर निगम द्वारा जनता के लिए खोल दिया गया था। इसका मूल नाम माहिम पार्क था। इस मैदान के एक तरफ शिवाजी महाराज की मूर्ति है। इसका निर्माण 1966 में हुआ था।

शिवसेना प्रमुख बाळासाहेब ठाकरे स्मृति स्थल शिवाजी पार्क

माहिती संकलन : घायाळ तृप्ती शिवाजी

स्वातंत्र्य वीर सावरकर राष्ट्रीय स्मारक देश की एक स्थायी शिखर संस्था है जो स्वातंत्र्य वीर सावरकर के विचारों का प्रचार एवं प्रसार करती है। अनेक चुनौतियों का सामना करते हुए इस संगठन ने आज अपना विशेष स्थान बनाया है।

• 'स्वातंत्र्यवीर' वॉल मैपिंग तकनीक पर आधारित पहला वर्णनात्मक और स्थायी प्रकाश और ध्वनि शो है।
• स्मारक में एक सेलुलर जेल, कोलू की हूबहू प्रतिकृति
• संसद में बजट पेश करने के दूसरे दिन डॉ. 'बजट विश्लेषण' नरेन्द्र जाधव, चन्द्रशेखर तिलक जैसे प्रसिद्ध अर्थशास्त्रियों ने किया
• राज्य के तीन विश्वविद्यालयों मुंबई, नागपुर और पुणे में भौतिक विज्ञान, मराठी साहित्य और मराठों के इतिहास के लिए स्वर्ण पदक प्रदान किये जाते हैं।
• सावरकर श्री के सक्रिय अनुयायी। पू. सावरकर की उर्दू ग़ज़लों, काव्य पुस्तिकाओं और 'हम ही हमारे वली हैं' ऑडियो टेप का निर्माण गोखले द्वारा उपलब्ध कराया गया।
• भव्य ऑडियो-विज़ुअल, नृत्य-नाटक संगीत कार्यक्रम 'शतजन्म शोधितन' के साथ कई प्रयोग, जिसने स्वातंत्र्यवीर सावरकर के कार्यों पर आधारित कई संगीत कार्यक्रमों की शुरुआत की, हिंदी में कार्यक्रम 'स्वातंत्र्यवीर' का निर्माण।
• लद्दाख पर्वतारोहण संस्थान के सहयोग से वीर सावरकर पर्वतारोहण खोज एवं बचाव संस्थान की स्थापना।
• निबंध प्रतियोगिता जिसमें 2018/19 में सात जेलों में और 2019/20 में सोलह जेलों में सावरकर साहित्य कैदियों तक पहुंचाया गया।

26 फरवरी 1974 को मुंबई के तत्कालीन मेयर सुधीर जोशी ने छत्रपति शिवाजी महाराज उद्यान के सामने का भूखंड समारोहपूर्वक सावरकर स्मारक समिति को सौंप दिया। या देसाई और स्थायी समिति के अध्यक्ष दत्ताजी नलावडे उपस्थित थे।

माहिती संकलन : पाठक सायली नवनाथ

स्मारक के लिए स्थल के हस्तांतरण के तुरंत बाद एक परियोजना कार्यालय शुरू किया गया था। इसका उद्घाटन 28 मई, 1975 को गोवा की तत्कालीन मुख्यमंत्री श्रीमती द्वारा किया गया था। शशिकला काकोदकर भाग्यशाली रहीं. स्वर्गीय भाऊसाहेब बंदोदकर और श्रीमती. शशिकला काकोडकर ने बहुत ध्यान दिया हाल ही में भाऊसाहेब बंदोदकर की स्मृति में स्थापित दयानंद चैरिटी ट्रस्ट ने स्मारक के लिए एक लाख रुपये का चेक दिया।

स्मारक का भूमि पूजन समारोह तत्कालीन रक्षा मंत्री बाबू जगजीवनराम के शुभ हाथों में आयोजित किया गया था। 20 मई 1979 को पूरा हुआ। उस समय बोलते हुए बाबूजी ने स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा दलितों के उद्धार के लिए किये गये महान कार्यों तथा राष्ट्र को क्षात्र तेज की दिशा देने के लिए किये गये सतत भगीरथ प्रयासों की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। शरदराव पवार, जो उस समय महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री थे, ने राष्ट्रपति कार्यालय से अपने भाषण में स्मारक को अपनी शुभकामनाएँ दीं और इस स्मारक के लिए महाराष्ट्र सरकार की ओर से पहली किस्त के रूप में 2.5 लाख रुपये का दान देने की घोषणा की।

26 फरवरी, 1981 को मुंबई के तत्कालीन मेयर श्री बाबूराव शेटे के शुभ हाथों से स्मारक का निर्माण शुरू किया गया था। अध्यक्षता महाराष्ट्र के ऊर्जा, संस्कृति एवं कार्य मंत्री श्री जयंतराव तिलक ने की।

भारतीय जनता पार्टी के नेता अटल बिहारी वाजपेई, लालकृष्ण आडवाणी, जनता दल के नेता मधु दंडवते, आजाद हिंद सेना (आईएनए) की नेता के. लक्ष्मी, प्रख्यात सामाजिक कार्यकर्ता बाबा आमटे, वाइस एडमिरल मनोहर अवती, श्री. नरेंद्र तिडके ने स्मारक का दौरा किया और स्मारक के काम की सराहना की ।

- सावरकर के हाथों से लिखित हिंदी - उर्दू ग्रंथ
- सावरकर के हाथों के निशान

माहिती संकलन : निकम तेजस रामदास

संयुक्त महाराष्ट्र स्मृति ढालन एक सुंदर ढंग से तैयार की गई स्मारक इमारत है, जो मेयर हाउस के बगल में शिवाजी पार्क में स्थित है। यह आंदोलन का इतिहास प्रदर्शित करता है जो 1920 में शुरू हुआ जब गांधीजी ने भाषाई आधार पर राज्य बनाने का प्रस्ताव पारित किया जिसके कारण संयुक्त महाराष्ट्र आंदोलन शुरू हुआ।
प्रदर्शनी कुल तीन मंजिलों पर फैली हुई है, जो 1) भूमिगत, 2) भूतल और 3) पहली मंजिल है।
भूतल पर संयुक्त आंदोलन से जुड़ी उत्पत्ति और इतिहास की जानकारी है। इसमें 1915 से आंदोलन से जुड़ी कई दुर्लभ तस्वीरें प्रदर्शित की गई हैं। प्रदर्शनी आंदोलन की तीव्रता की झलक देती है और हमारे दिमाग पर स्थायी प्रभाव छोड़ती है।
भूमिगत तल भूमिगत तल पर उन सभी महान नेताओं की जानकारी प्रदर्शित की गई है जिन्होंने इस आंदोलन को पूरे दिल और जोश के साथ लड़ा। आंदोलन के मुख्य नेताओं जैसे श्रीपाद डांगे, प्रबोधनकर ठाकरे, एस.एम. जोशी, आचार्य अत्रे और सेनापति बापट के अनमोल चित्र देखे जा सकते हैं। प्रथम तल
संयुक्त महाराष्ट्र स्मृति ढलान राजनीतिक पार्टी शिव सेना की पहल पर बनाया गया है। यह एक अद्भुत कार्य है जिसमें इस ऐतिहासिक आंदोलन से एक भी जानकारी छूटने नहीं दी गई है।

यह स्मृतिढालन सभी मुंबईकरों, महाराष्ट्रीयन और सभी भारतीयों के लिए अवश्य देखने योग्य है।

समय:

सुबह 11.00 बजे से शाम 07.00 बजे तक
रविवार बंद

स्थान: मेयर के बंगले के पास, शिवाजी पार्क।

माहिती संकलन : जाधव किशोर उत्तम, वाघ भूषण संदिप

यात्रा में सम्मीलित छात्र

अ.क्र.	छात्र का नाम	कक्षा
१	बोचरे रुतुजा साहेबराव	तृतीय वर्ष कला
२	बर्डे गायत्री चंद्रकांत	तृतीय वर्ष कला
३	पाटील मोनाली कैलास	तृतीय वर्ष कला
४	गुंजाळ वर्षा दिलीप	तृतीय वर्ष कला
५	जाधव साक्षी रंजीत	तृतीय वर्ष कला
६	पवार सौरभ रंगनाथ	तृतीय वर्ष कला
७	घाडगे पूजा बाळासाहेब	तृतीय वर्ष कला
८	बोधाई सानिका राजेंद्र	द्वितीय वर्ष कला
९	दरेकर कल्याणी मारुती	द्वितीय वर्ष कला
१०	घायाळ तृप्ती शिवाजी	द्वितीय वर्ष कला
११	पाठक सायली नवनाथ	द्वितीय वर्ष कला
१२	निकम तेजस रामदास	द्वितीय वर्ष कला
१३	जाधव किशोर उत्तम	द्वितीय वर्ष कला
१४	वाघ भूषण संदिप	द्वितीय वर्ष कला

प्रा. मोनिका अंदोरे
(सहा. प्राध्यापिका)

प्रा. बापू शेळके
(विभागाध्यक्ष)

डॉ. आदिनाथ मोरे